Government of India
Ministry of Drinking Water & Sanitation

Subject: Monthly summary for the month of February, 2019 in respect of Ministry of Drinking Water and Sanitation

Sanitation

Swachh Shakti 2019

The Ministry of Drinking Water and Sanitation, in association with Government of Haryana organised the Swachh Shakti 2019 on 12th February, 2019 at Kurukshetra, Haryana. The Hon'ble Prime Minister addressed over 20,000 women sarpanches, and women swachhagrahis from different States/UTs, and honoured women swachhata champions. Union Minister, Sushree Uma Bharati and Haryana's Chief Minister Shri Manohar Lal also participated in the event. Educational and cultural field visit was also organized for the participants.

"Swachh Kumbh, Swachh Aabhaar" programme

The Prime Minister addressed a gathering of 10,000 safai karamcharis, swachhagrahis, police personnel and naviks of the Kumbh Mela in Prayagraj on 24th February, 2019. The gesture was a part of the "Swachh Kumbh, Swachh Aabhaar" programme, to honour the people who had made a Swachh and Surakshit Kumbh a reality. The gathering was organized by the Ministry of Drinking Water and Sanitation in association with the Government of Uttar Pradesh (GoUP).

Over one lakh twenty thousand public toilets and 20,000 dustbins had been installed in the Kumbh Mela area, besides other sanitation facilities and care. The Prime Minister also announced a package of benefits, the "Swachh Seva Sammaan" which focused on health, education and economic security of all eligible safai karamcharis and naviks who worked at the Kumbh this year.

The Chief Minister, Shri Yogi Adityanath, Union Minister of Drinking Water and Sanitation, Sushree Uma Bharti, and other dignitaries joined the Prime Minister on the dais.

Launch of Darwaza Band 2

The Darwaza Band 2 campaign was launched on 6th February in Mumbai by Shri Amitabh Bachchan, along with Secretary MDWS and the Minister for sanitation, Government of Maharashtra. The campaign promotes continual usage of toilets by the rural population, thereby sustaining their open defecation free status. The content development for the campaign has been fully funded by the World Bank.

National Workshop on IEC, Capacity Building and ODF Plus

A National Workshop on IEC, Capacity Building and ODF Plus was organized on 19th February, 2019 at India Habitat Centre, New Delhi. The Workshop was attended by Mission Directors/State Coordinators/State Officials/District Collectors/CEO, Zilla Parishad/Development Partners. A total of 60 participants attended the Workshop. The discussions held on ODF Sustainability and ODF Plus.

Expert Working Group approves NARSS 2018-19 results

The Expert Working Group met on 22nd February to review and approve the results of the second National Annual Rural Sanitation Survey (NARSS 2018-19). The survey was conducted by the Independent Verification Agency (IVA) and the results were presented to the EWG at the meeting. The EWG endorsed the results and subsequently the summary report for NARSS 2018-19 was put on the MDWS website. The NARSS 2018-19 surveyed over 90,000 households across the country and found that over 93% of rural households had access to a toilet, and over 95% of the people used the toilets.

Review of the progress of Swachh Bharat Mission

i. Video Conference with ACS/Principal Secretary/Secretary in-charge of Rural Sanitation in the States of Assam, Bihar, Gujarat, Haryana, Himachal Pradesh, Karnataka, Kerala, Madhya Pradesh, Maharashtra, Odisha, Uttar Pradesh, Uttarakhand and West Bengal was organized on 25th February, 2019 at Conference Room, MDWS, New Delhi to review Utilization of World Bank Funds.

ii. Video Conference with ACS/Principal Secretary/Secretary and Mission Directors in-charge of Rural Sanitation in the States of Andhra Pradesh, Assam, Gujarat, Jharkhand, Karnataka, Madhya Pradesh, Maharashtra, Tamil Nadu, Telangana, Uttar Pradesh was organized on 28th February, 2019 at Conference Room, MDWS, New Delhi to review the progress of Left Out from Baseline (LOB) toilets construction.

Water

Swajal - Sarpanch Training

In order to sensitize Sarpanches of their significant role in the implementation of the Swajal scheme, on the directions of the Ministry, the State Government of Jharkhand undertook the first of its kind three day training programme for all Sarpanches from Gram Panchayats where Swajal is being taken up for implementation. The first training programme was held at Ranchi from 26th to 28th February, 2019. The Ministry also finalised the training booklet and module, to assist the State.

MIS for Annual Action Plans

The Ministry has prepared and launched a comprehensive Management Information System (MIS) on the Annual Action Plan (AAP) format for physical and financial planning of the Centrally Sponsored Scheme, National Rural Drinking Water Programme, for the year 2019-20. The AAP allows expenditure planning scheme-wise and tags habitations where they are implemented so the duplication of schemes is avoided. Officers from the Ministry visited States and trained them towards uploading the data in this MIS.

****

भारत सरकार

पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय

विषय: पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय से संबंधित फरवरी, 2019 माह का मासिक सारांश

स्वच्छता

स्वच्छ शक्ति 2019

पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय ने हरियाणा सरकार के सहयोग से कुरूक्षेत्र, हरियाणा में 12 फरवरी, 2019 को **स्वच्छ शक्ति 2019** का आयोजन किया। माननीय प्रधानमंत्री ने विभिन्न राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के 20,000 से अधिक महिला सरपंचों तथा महिला स्वच्छाग्रहियों को संबोधित किया और महिला स्वच्छता चैंपियनों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में केन्द्रीय मंत्री, सुश्री उमा भारती और हरियाणा के मुख्य मंत्री श्री मनोहर लाल ने भी भाग लिया। सहभागियों के लिए शैक्षिक और सांस्कृतिक क्षेत्र दौरा भी आयोजित किया गया।

"स्वच्छ कुंभ, स्वच्छ आभार" कार्यक्रम

प्रधानमंत्री ने 24 फरवरी, 2019 को प्रयागराज में कुंभ मेले में वहां एकत्रित 10,000 सफाई कर्मचारियों, स्वच्छाग्रहियों, पुलिस कार्मिकों और नाविकों को संबोधित किया। यह समागम ''स्वच्छ कुंभ, स्वच्छ आभार'' कार्यक्रम का अंग था जिसमें स्वच्छ और सुरक्षित कुंभ को सार्थक करने वाले लोगों को सम्मानित किया गया। पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय ने उत्तरप्रदेश सरकार के सहयोग इस समागम का आयोजन किया।

कुंभ मेले के क्षेत्र में स्वच्छता की अन्य सुविधाओं और सहायता के अतिरिक्त एक लाख बीस हजार से अधिक सार्वजनिक शौचालय और 20000 कूड़ेदान स्थापित किए गए। प्रधानमंत्री जी ने इस अवसर पर ''स्वच्छ सेवा सम्मान'' लाभ पैकेज की भी घोषणा की जिसमें इस वर्ष कुंभ में कार्य करने वाले सभी पात्र सफाई कर्मचारियों और नाविकों के स्वास्थ्य, शिक्षा और आर्थिक सुरक्षा पर बल दिया गया है।

मुख्यमंत्री, श्री योगी आदित्यनाथ, केन्द्रीय मंत्री, पेयजल एवं स्वच्छता, सुश्री उमा भारती तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने प्रधान मंत्री के साथ मंच साझा किया।

दरबाजा बंद 2 का प्रारंभ

दरबाजा बंद 2 का प्रारंभ सचिव एमडीडब्ल्यूएस तथा स्वच्छता मंत्री, महाराष्ट्र सरकार के साथ-साथ श्री अभिताभ बच्चन द्वारा 6 फरवरी को मुम्बई में किया गया। यह अभियान ग्रामीण आबादी द्वारा शौचालयों के निरंतर प्रयोग को बढ़ावा देता है ताकि खुले में शौच मुक्त स्थिति को बनाया रखा जा सके। इस अभियान हेतु विषय वस्तु का पूर्णत: वित्तपोषण विश्व बैंक द्वारा किया गया है।

आईईसी, क्षमता विकास तथा ओडीएफ प्लस पर राष्ट्रीय कार्यशाला

दिनांक 19 फरवरी, 2019 को इंडिया हैबिटैट सेंटर, नई दिल्ली में आईईसी, क्षमता निर्माण तथा ओडीएफ प्लस पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में मिशन निदेशकों/राज्य के समन्वयकों/राज्य के अधिकारियों/जिला कलेक्टरों/सीईओ/जिला परिषद/विकास भागीदारों ने भाग लिया।

इस कार्यशाला में कुल 60 भागीदारों ने भाग लिया। ओडीएफ स्थायित्व तथा ओडीएफ प्लस पर चर्चा आयोजित की गई।

<u>विशेषज्ञ कार्यकारिणी दल ने एनएआरएसएस 2018-19 परिणामों को अनुमोदित किया</u>

विशेषज्ञ कार्यकारिणी दल ने द्वितीय राष्ट्रीय वार्षिक ग्रामीण स्वच्छता सर्वेक्षण (एनएआरएसएस 2018-19) के परिणामों की समीक्षा एवं अनुमोदन करने के लिए 22 फरवरी को बैठक की। यह सर्वेक्षण स्वतंत्र सत्यापन एजेन्सी द्वारा कराया गया और इसके परिणामों को बैठक में ईडब्ल्यूजी को प्रस्तुत किया गया। ईडब्ल्यूजी ने परिणामों का समर्थन किया और बाद में एनआरएसएस 2018-19 की सारांश रिपोर्ट एमडीडब्ल्यूएस की बेबसाइट पर डाल दी गई। एनएआरएसएस 2018-19 ने देशभर में 90,000 से अधिक परिवारों का सर्वेक्षण किया और पाया कि 93% ग्रामीण परिवारों को शौचालय की सुविधा उपलब्ध है और 95% लोग शौचालय का प्रयोग करते हैं।

<u>स्वच्छ भारत की प्रगति की समीक्षा</u>

i. विश्व बैंक निधियों के उपयोग की समीक्षा करने के लिए दिनांक 25 फरवरी, 2019 को सम्मेलन कक्ष, एमडीडब्ल्यूएस, नई दिल्ली में असम, बिहार, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल राज्यों में ग्रामीण स्वच्छता के प्रभारी एसीएस/प्रधान सचिव/सचिव के साथ विडियो कॉन्फ्रेंस आयोजित की गयी।
ii. बेसलाइन शौचालय निर्माण में पीछे रह गए घरों की समीक्षा करने के लिए दिनांक 28 फरवरी, 2019 को सम्मेलन कक्ष, एमडीडब्ल्यूएस, नई दिल्ली में आंध्र प्रदेश, असम, गुजरात, झारखण्ड, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश में ग्रामीण स्वच्छता के प्रभारी एसीएस/प्रधान सचिव/सचिव और मिशन निदेशकों के साथ विडियों कॉन्फ्रेंस आयोजित की गयी।

<u>जल</u>

<u>स्वजल - सरपंच प्रशिक्षण</u>

स्वजल स्कीम के कार्यान्वयन में सरपंचों को उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के प्रति संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से, मंत्रालय के निर्देश पर, झारखण्ड राज्य सरकार ने उन ग्राम पंचायतों जहाँ स्वजल को कार्यान्वित किया जा रहा है, के सभी सरपंचों का अपनी तरह का पहला तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। प्रथम प्रशिक्षण कार्यक्रम 26 से 28 फरवरी, 2019 तक राँची में आयोजित किया गया। मंत्रालय ने राज्य की सहायता के लिए प्रशिक्षण पुस्तिका और मॉड्यूल को अंतिम रूप प्रदान किया।

<u>वार्षिक कार्य योजनाओं के लिए एमआईएस</u>

मंत्रालय ने केन्द्रीय प्रयोजित स्कीम, वर्ष 2019-20 के लिए राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम की वास्तविक एवं वित्तीय आयोजना के लिए वार्षिक कार्य योजना (एएपी) फॉर्मेट पर एक समग्र प्रबंधन सूचना प्रणाली (एमआईएस) तैयार और लागू की है। एएपी स्कीमवार व्यय आयोजना की अनुमति देता है और उन बसावटों को टैग करता है जहाँ ये कार्यान्वित की जाती हैं ताकि स्कीम के दोहराव से बचा जा सके। मंत्रालय के अधिकारियों ने राज्यों का दौरा किया और डाटा को एमआईएस में अपलोड करने के लिए उनको प्रशिक्षित किया।

****